चींटा
चित्र सौम्या मेनन
एकलव्य

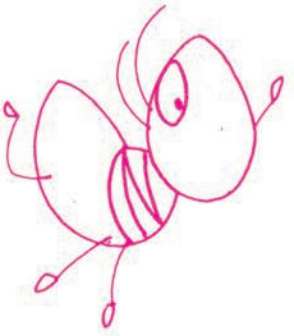

चींटा

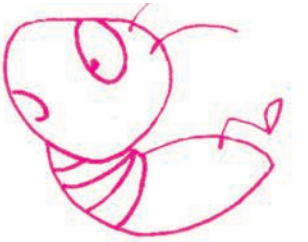

कविता: एकलव्य के प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम समूह द्वारा संकलित
चित्र सौम्या मेनन

एकलव्य

चींटा चींटा दूध ला,
दूध लाकर दही जमा,
बढ़िया-बढ़िया दही जमा,
खट्टा-मीठा दही जमा।

चींटा-चींटा गन्ना ला,
गन्ना लाकर शक्कर बना,
चींटी भूखी आएगी,
झटपट वो खा जाएगी।

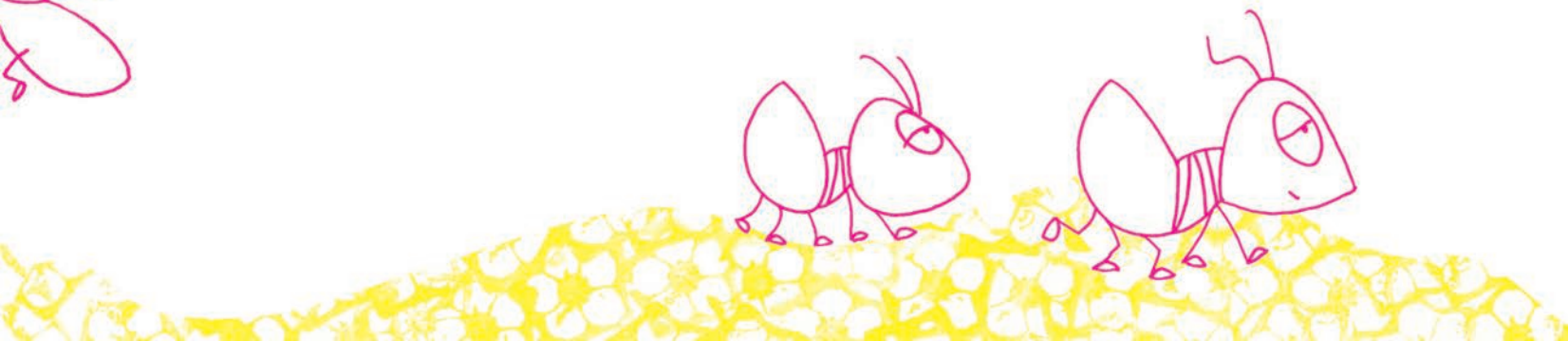

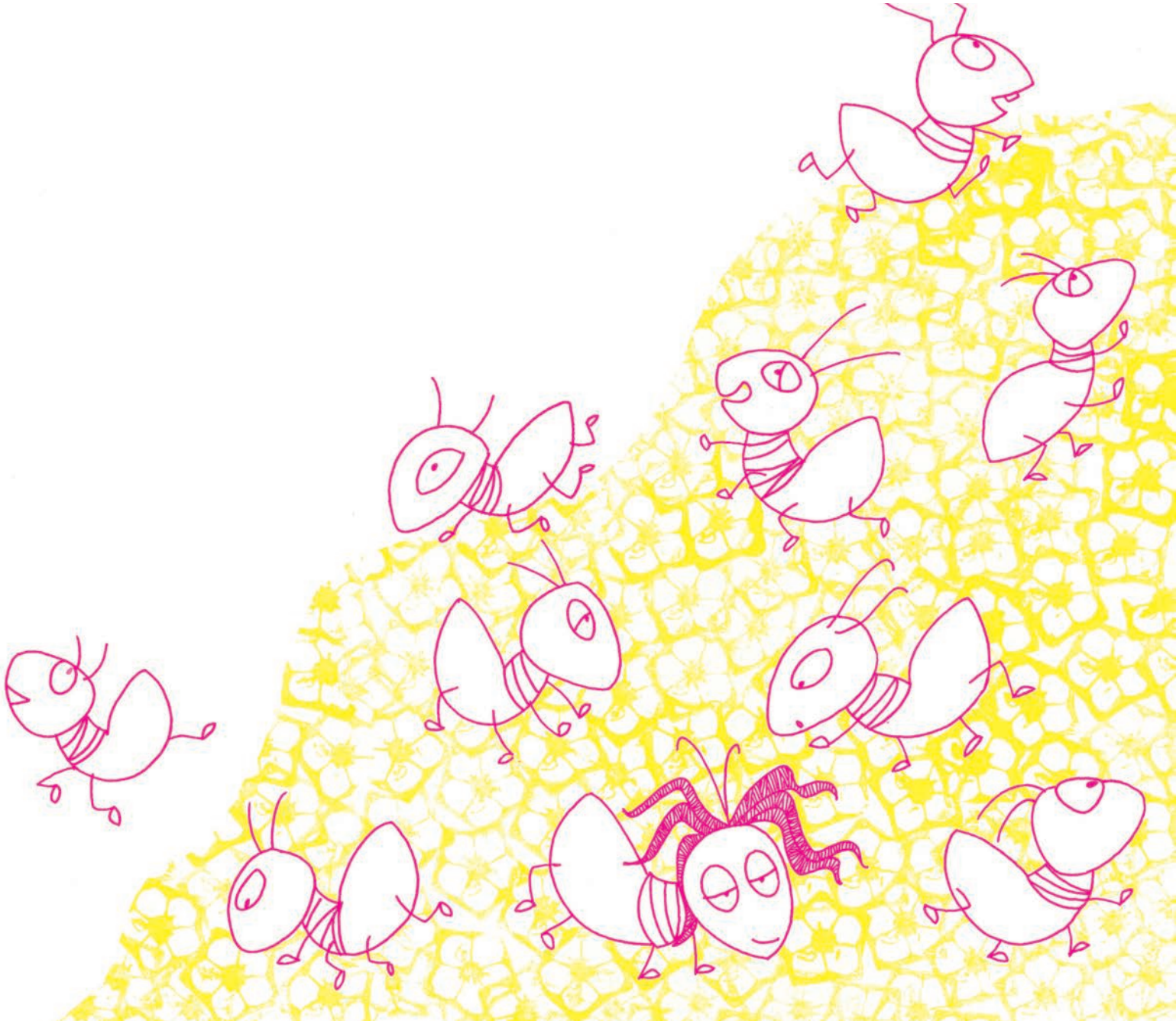

चींटा-चींटा शक्कर ला,
शक्कर लाकर शरबत बना,
चींटी प्यासी आएगी,
झटपट वो पी जाएगी।

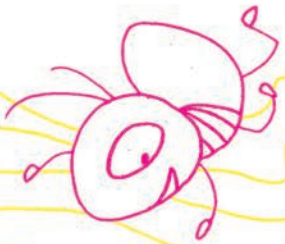

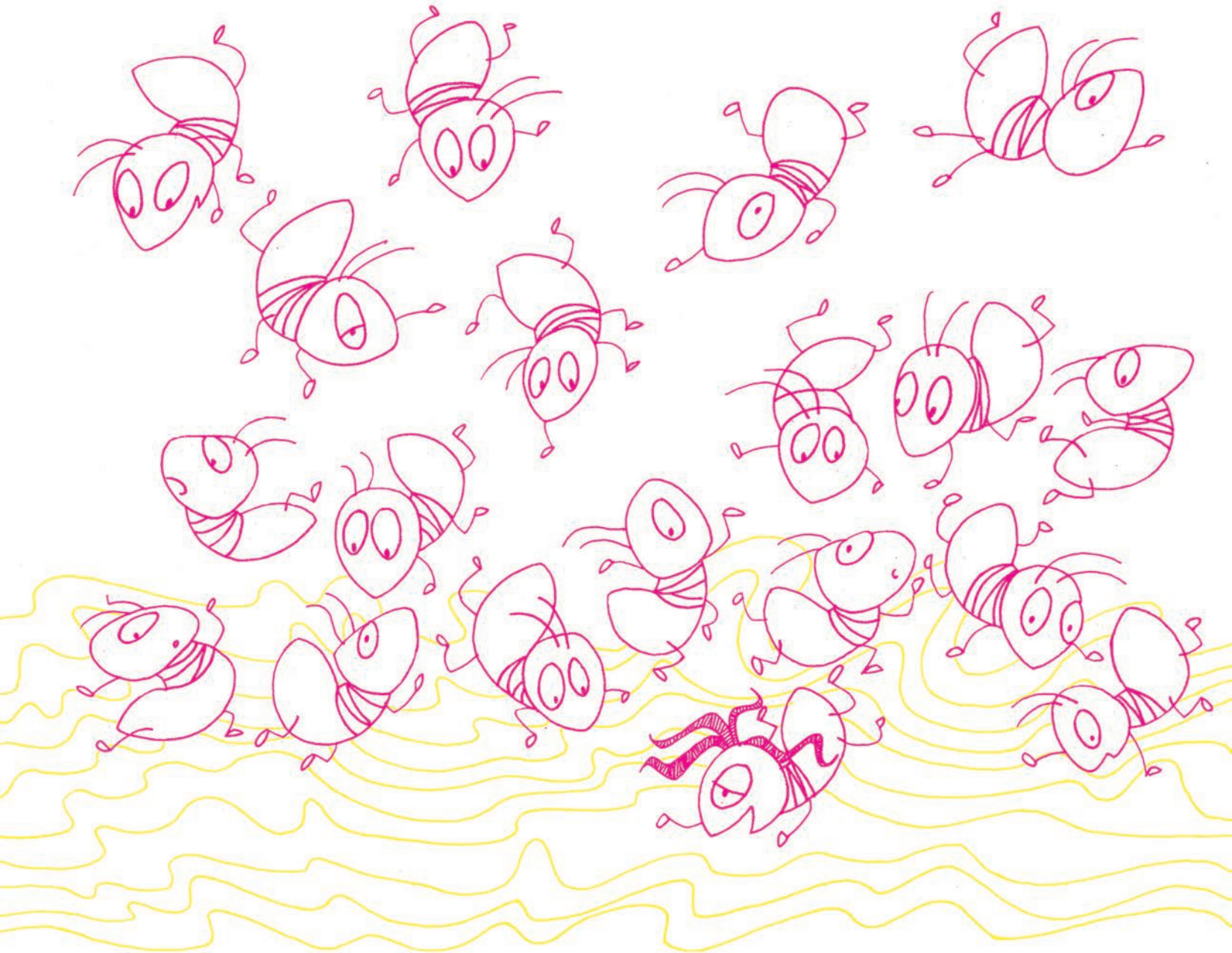

चींटा-चींटा घर बना,
चींटी धूप से आएगी,
देख के खुश हो जाएगी,
झट-से वो रूक जाएगी।

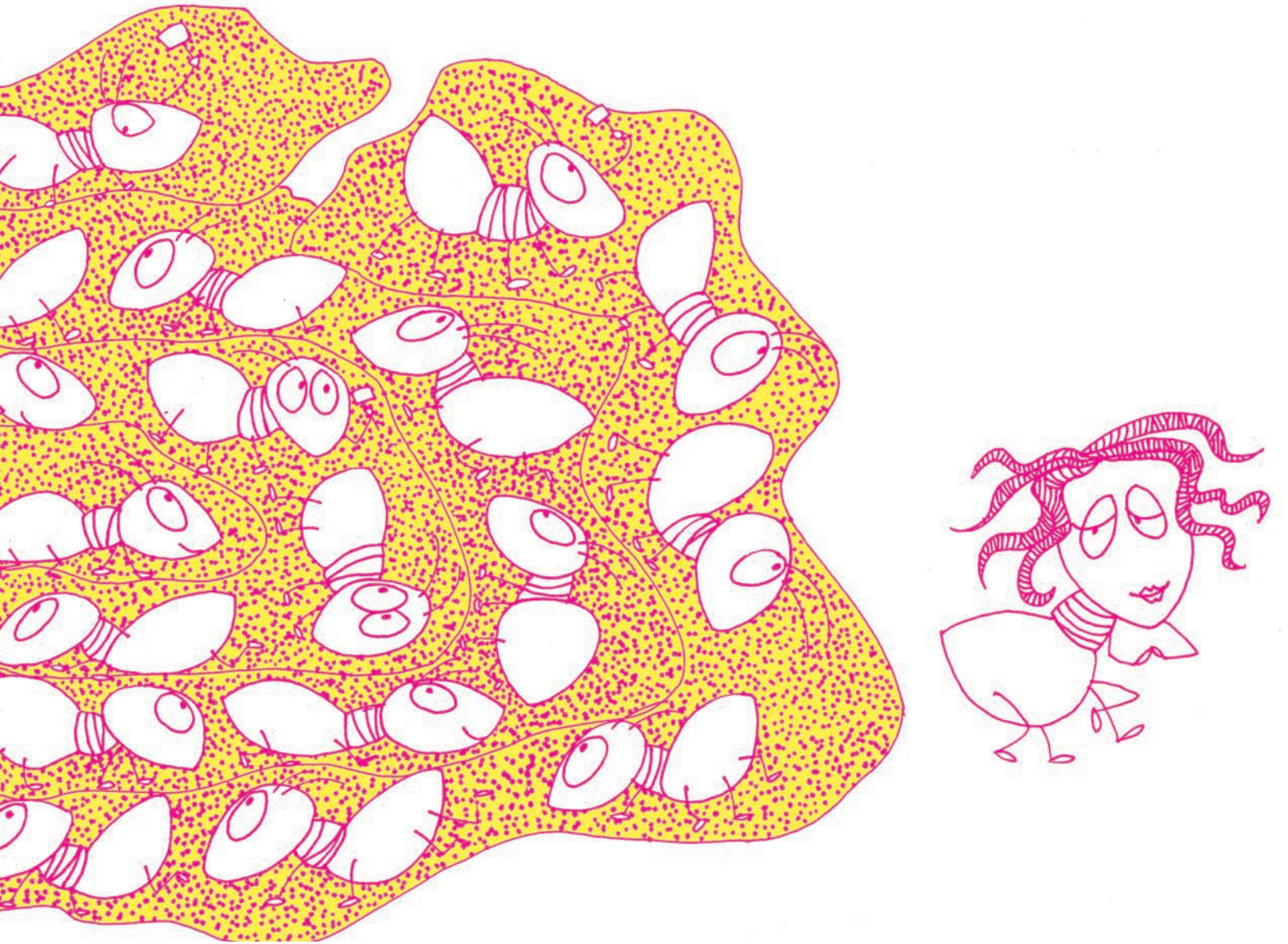

चींटा-चींटा बाज़ार जा,
शक्कर ला, चावल ला,
रोटी ला, पानी ला,
झटपट जा, झटपट आ।

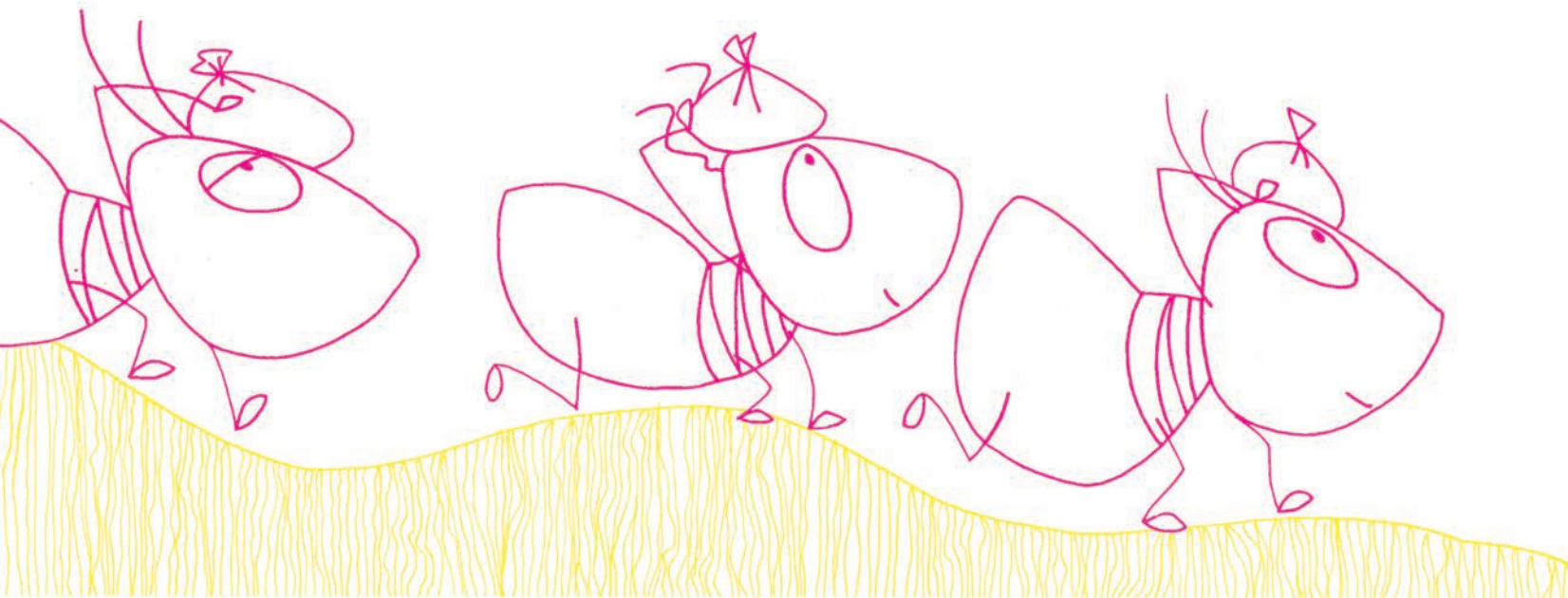

चींटी जब घर आएगी,
देख के खुश हो जाएगी,
तेरे ही गुण गाएगी,
तेरे ही गुण गाएगी।

चींटा

चींटा-चींटा दूध ला,
दूध लाकर दही जमा,
बढ़िया-बढ़िया दही जमा,
खट्टा-मीठा दही जमा।

चींटा-चींटा गन्ना ला,
गन्ना लाकर शक्कर बना,
चींटी भूखी आएगी,
झटपट वो खा जाएगी।

चींटा-चींटा शक्कर ला
शक्कर लाकर शरबत बना,
चींटी प्यासी आएगी,

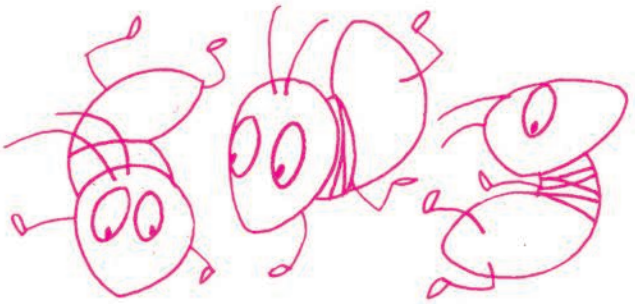

चींटा-चींटा घर बना,
चींटी धूप से आएगी,
देख के खुश हो जाएगी,
झट-से वो रुक जाएगी।

चींटा-चींटा बाज़ार जा,
शक्कर ला, चावल ला,
रोटी ला, पानी ला,
झटपट जा, झटपट आ।

चींटी जब घर आएगी,
देख के खुश हो जाएगी,
तेरे ही गुण गाएगी,
तेरे ही गुण गाएगी।

चींटा
CHEENTA

कविता: एकलव्य के प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम समूह द्वारा संकलित
चित्र: सौम्या मेनन

सौम्या मेनन व एकलव्य
इस किताब की सामग्री का गैर-व्यावसायिक शैक्षिक उद्देश्यों के लिए मुफ्त वितरण हेतु इसी प्रकार के कॉपीलेफ्ट चिह्न के तहत उपयोग किया जा सकता है। स्रोत के रूप में इस किताब का ज़िक्र अवश्य करें तथा एकलव्य को सूचित करें। किसी भी अन्य प्रकार के उपयोग की अनुमति के लिए एकलव्य से सम्पर्क करें।

पहला संस्करण: 2013 (5000 प्रतियाँ)
पहला पुनर्मुद्रणः मार्च 2017 (3000 प्रतियाँ)
दूसरा पुनर्मुद्रणः फरवरी 2018 (3000 प्रतियाँ)
तीसरा पुनर्मुद्रणः अक्तूबर 2018 (3000 प्रतियाँ)
चौथा पुनर्मुद्रणः अप्रैल 2019 (3000 प्रतियाँ)
पाँचवाँ पुनर्मुद्रणः नवम्बर 2019 (3000 प्रतियाँ)
छठवाँ पुनर्मुद्रणः फरवरी 2021 (3000 प्रतियाँ)
सातवाँ पुनर्मुद्रणः दिसम्बर 2022 (3000 प्रतियाँ)
आठवाँ पुनर्मुद्रणः मई 2023 (5000 प्रतियाँ)
कागज़: 100 gsm मेपलिथो और 210 gsm पेपर बोर्ड (कवर)
ISBN: 978-93-81300-90-9
मूल्य: ₹ 35.00

पराग इनिशिएटिव, टाटा ट्रस्ट, मुम्बई के वित्तीय सहयोग से विकसित

प्रकाशक: **एकलव्य फाउंडेशन**
जमनालाल बजाज परिसर,
जाटखेड़ी, भोपाल - 462 026 (मप्र)
फोन: +91 755 297 7770-71-72
www.eklavya.in / books@eklavya.in

सौम्या मेनन

नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन, अहमदाबाद से एनिमेशन फिल्म डिज़ाइन की पढ़ाई। किताबें पढ़ना बेहद प्रिय, साथ ही लेखन व चित्र बनाने का भी शौक। बच्चों के साथ काम करने का मज़ा ले रही हैं।

चींटा

चींटा बना रहा है घर, जा रहा है बाज़ार, ला रहा है गन्ना और कर रहा है बहुत कुछ। यह सब किया जा रहा है चींटी के लिए।

क्या चींटी खुश होगी?

parag
AN INITIATIVE OF TATA TRUSTS
एकलव्य
मूल्य: ₹ 35.00
9 789381 300909